भारत – मैसेडोनिया संबंध

द्विपक्षीय राजनीतिक संबंध

मैसेडोनिया के पूर्व यूगोस्लाव गणराज्य (एफ वाई आर ओ एम) को संयुक्त राष्ट्र में शामिल करने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा में संकल्प के 40 सह प्रायोजकों में भारत भी एक था। भारत ने 9 फरवरी, 1995 को मैसेडोनिया के पूर्व यूगोस्लाव गणराज्य के साथ राजनयिक एवं कांसुलर संबंध स्थापित किए। द्विपक्षीय संचार में भारत अब मैसेडोनिया गणराज्य को मैसेडोनिया के रूप में संदर्भित करता है।

बुल्गारिया स्थित भारतीय दूतावास को समवर्ती रूप से मैसेडोनिया की भी जिम्मेदारी सौंपी जाती है। 2006 में, मैसेडोनिया सरकार ने 7 अक्टूबर, 2008 को नई दिल्ली में पूर्ण विकसित दूतावास खोलने की कार्यवाही से पूर्व अपने अवैतनिक कांसुल के रूप में नई दिल्ली में एक भारतीय कारोबारी को नियुक्त किया।

भारत सरकार ने 2008 में मैसेडोनिया में एक अवैतनिक कांसुल नियुक्त किया। मैसेडोनिया सरकार ने 2009 में कोलकाता में एक अवैतनिक कांसुल नियुक्त किया और इसके बाद चेन्नई, बंगलौर और मुंबई में अवैतनिक कांसुल नियुक्त किया है।

मैसेडोनिया के प्रधानमंत्री गुरएवस्की ने उप प्रधानमंत्री एवं वित्त मंत्री तथा विदेशी निवेश मंत्री के साथ वाइब्रेट गुजरात तथा सी आई आई साझेदारी शिखर बैठक के लिए 11 से 17 जनवरी, 2015 के दौरान भारत का दौरा किया। इससे पहले इसी शिष्टमंडल ने भारतीय निवेशकों को मैसेडोनिया में निवेश एवं कारोबार के अवसरों को दर्शाने के लिए 5 से 8 मार्च, 2012 के दौरान भारत का दौरा किया था।

मैसेडोनिया के प्रधानमंत्री की 2012 की यात्रा के क्रम में उप प्रधानमंत्री एवं वित्त मंत्री जोरन स्टावरेस्की ने सूचना समाज एवं प्रशासन मंत्री तथा विदेशी निवेश मंत्री और प्रौद्योगिकीय, औद्योगिक विकास क्षेत्र के निदेशक के साथ अक्टूबर, 2012 में भारत का दौरा किया तथा भारत के छह शहरों में निवेशकों को मैसेडोनिया द्वारा प्रस्तुत लाभों के बारे में प्रस्तुति दी।

मैसेडोनिया राष्ट्रीय असेंबली के अध्यक्ष श्री त्राज्को वेल्जानोवस्की के नेतृत्व में एक संसदीय शिष्टमंडल ने 5 से 8 मार्च, 2013 के दौरान भारत का आधिकारिक दौरा किया। मैसेडोनिया के विदेश मंत्री श्री निकोला पोपॉस्की ने 16-17 दिसंबर, 2013 को नई दिल्ली एवं आगरा का दौरा किया तथा विदेश मंत्री से मुलाकात की। दोनों मंत्री इस बात पर सहमत हुए कि द्विपक्षीय राजनीतिक संबंध मजबूत आर्थिक सहयोग के लिए

ठोस नींव का निर्माण करते हैं। दोहरा कराधान परिहार करार तथा मैसेडोनिया के विदेश मंत्रालय राजनयिक अकादमी तथा भारत के विदेश मंत्रालय के विदेश सेवा संस्थान के बीच सहयोग के लिए एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए।

विदेश राज्य मंत्री श्रीमती प्रनीत कौर ने सी आई आई के एक कारोबारी शिष्टमंडल के साथ 10-11 जुलाई, 2012 को मैसेडोनिया का दौरा किया तथा प्रधानमंत्री निकोला पोपॉस्की, उप प्रधानमंत्री एवं वित्त मंत्री जोरन स्टावरेस्की और विदेश नीति समिति के अध्यक्ष तथा पूर्व प्रधानमंत्री अंटोनियो मिलोसोस्की से मुलाकात की। वार्ता दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग सुधारने की संभावना पर केंद्रित थी जिसमें आर्थिक, संस्कृति एवं विज्ञान व शिक्षा के क्षेत्र शामिल थे। यह भारत के किसी मंत्री की मैसेडोनिया की पहली यात्रा थी।

महत्वपूर्ण द्विपक्षीय संधियां एवं करार

(क) द्विपक्षीय निवेश संवर्धन एवं संरक्षण करार, जिस पर 17 मार्च, 2008 को हस्ताक्षर किया गया।
(ख) राजनयिक पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा की आवश्यकता से परस्पर छूट के लिए करार, जिस पर जनवरी, 2009 में मैसेडोनिया के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किया गया। यह करार 15 मई, 2010 को लागू हुआ।
(ग) दोहरा कराधान परिहार करार, जिस पर 17 दिसंबर, 2013 को हस्ताक्षर किया गया।
(घ) मैसेडोनिया के विदेश मंत्रालय की राजनयिक अकादमी तथा भारत के विदेश मंत्रालय विदेश सेवा संस्थान के बीच सहयोग के लिए एम ओ यू, जिस पर 17 दिसंबर, 2013 को हस्ताक्षर किया गया।

वाणिज्यिक एवं आर्थिक संबंध

मैसेडोनिया में भारतीय निवेश सीमित है परंतु इसमें वृद्धि की रूझान दिख रही है। 2004 में, आर्सेलर मित्तल ने बालकान स्टील का अधिग्रहण किया तथा आगे चलकर राज्य के स्वामित्व वाले शेयरों को भी खरीद लिया जिससे इसका स्वामित्व 90 प्रतिशत हो गया। बैंग ओवरसीज लिमिटेड, मुंबई की एक सहायक कंपनी (बैंग एंड स्कॉट डी ओ ओ, मैसेडोनिया) को सितंबर 2011 में निगमित किया गया। यह कंपनी फेब्रिक एवं गारमेंट विनिर्माण का व्यापार करती है। 2013 में सहारा ग्रुप ने ओहरिड लेक शोर पर 'सहारायान मकीदुनिया' कॉम्प्लेक्स तथा एक एकीकृत डेयरी फार्म, पशुपालन एवं संबद्ध कृषि फार्म का निर्माण करने की अपनी मंशा की घोषणा की। तथापि, ऐसा प्रतीत

होता है कि विभिन्न कारकों की वजह से परिकल्पना के अनुरूप सहारा की परियोजनाएं आगे नहीं बढ़ रही हैं।

वर्ष 2014 में द्विपक्षीय व्यापार 68.36 मिलियन अमरीकी डालर (भारतीय निर्यात - 48.15 मिलियन अमरीकी डालर और भारतीय आयात - 20.21 मिलियन अमरीकी डालर) था। जनवरी - नवंबर 2015 के समतुल्य आंकड़े 52.31 मिलियन अमरीकी डालर (भारतीय निर्यात - 40.03 मिलियन अमरीकी डालर और भारतीय आयात - 12.28 मिलियन अमरीकी डालर) है।

मैसेडोनिया को भारत की ओर से जिन वस्तुओं का निर्यात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से सूती धागे, तिल के बीज, कच्ची एवं डिकैफिनेटेड कॉफी, ट्रैक्टर, प्लास्टिक्स, शीट, फिल्म, फॉइल, गैर प्रबलित, लैमिनेटेड, सपोर्टेड या समान रूप से अन्य सामग्रियों से संयोजित गैर सेलुलर प्लास्टिक्स के स्ट्रिप्स, थिरेप्यूटिक या प्रॉफीलैक्टिक प्रयोगों के लिए मिश्रित या गैर मिश्रित उत्पादों से बने मेडिकामेंट, फेरो सिलिको मैगनीज, आंशिक रूप से या पूरी तरह स्टेम्ड या स्ट्रिप्ड या अन्यथा गैर विनिर्मित तंबाकू, एंटीबॉयटिक्स, केवल नाइट्रोजन हेटरो एटम के साथ हेटरोसाइक्लिक कंपाउंड आदि शामिल हैं।

भारत को मैसेडोनिया की ओर से जिन वस्तुओं का निर्यात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से फेरो निकिल, तिलहन, लंबाई के अनुसार चीरी या काटी हुई लकड़ी, स्लाइस्ड या पील्ड, प्लेन हों या न हों, सैंडेड या इंड ज्वाइंटेड, पेपर, पेपर बोर्ड, सेल्यूलोस वैडिंग तथा सेल्यूलोस फाइबर के वेब, कोटेड, इंप्रीग्नेटेड, कवर्ड, सर्फेस कलर्ड, अनरोस्टेड सीरील फ्लेक्स से प्राप्त प्रीपेयर्ड फूड, इलेक्ट्रिकल कैपासिटर्स शामिल हैं।

दिसंबर, 2005 में मैसेडोनिया को यूरोपीय संघ की सदस्यता प्राप्त हुई तथा यह यूरोपीय संघ देशों को ड्यूटी फ्री निर्यात करने के लिए हकदार है। इसकी वजह से यूरोपीय संघ के बाजार के लिए एक संभावित लांच पैड के रूप में इसका आकर्षण बढ़ गया है। मैसेडोनिया में लाभ कर, आय कर बहुत कम है तथा पुन: निवेश किए गए लाभ पर कोई भी कर नहीं लगता है। मैसेडोनिया की भौगोलिक स्थिति, राजकोषीय एवं व्यवसाय क्षेत्र के सुधार भारतीय कंपनियों के लिए निवेश करने एवं मैसेडोनिया में बिक्री करने के लिए अवसरों की पेशकश करते हैं। तेजी बढ़ रही भारतीय अर्थव्यवस्था भी मैसेडोनिया की कंपनियों के लिए भारत में व्यापार एवं निवेश के सारवान अवसरों की पेशकश कर रही है।

आई टी ई सी एवं पी सी एफ डी कार्यक्रम के तहत सहयोग

भारत सरकार आई टी ई सी कार्यक्रम के तहत मैसेडोनिया को छात्रवृत्तियों की पेशकश करती है। भारतीय विदेश सेवा संस्थान द्वारा विदेशी राजनयिकों के लिए आयोजित पेशेवर पाठ्यक्रमों (पी सी एफ डी) में भी मैसेडोनिया के नागरिकों ने भाग लेते हैं।

सांस्कृतिक संबंध तथा जन दर जन संपर्क

मैसेडोनिया ने भारतीय संस्कृति में गहरी रूचि दिखाई है। स्कोपजे में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2015 मनाया गया तथा इसे स्थानीय मीडिया में बड़े पैमाने पर कवर किया गया। भारतीय सांस्कृतिक परिषद के सहयोग से समय – समय पर मैसेडोनिया में भारतीय सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं तथा ये बहुत लोकप्रिय हैं। शंकर की अंतर्राष्ट्रीय पेंटिंग प्रतियोगिता मैसेडोनिया में बहुत प्रसिद्ध है तथा मैसेडोनिया के बच्चे इस प्रतियोगिता में नियमित रूप से भाग लेते हैं।

भारतीय समुदाय

मैसेडोनिया में भारतीय समुदाय का बहुत छोटा है। लगभग 10 भारतीय नागरिक हैं जिसमें वे भी शामिल हैं जो आर्सेलर मित्तल स्टील में प्रबंधन के वरिष्ठ पदों पर काम कर रहे हैं, कुछ भारतीय नागरिक आई टी एवं अन्य सेक्टरों से जुड़े हुए हैं और कुछ को सहारा परिवार द्वारा नियुक्त किया गया है।

उपयोगी संसाधन **:**

भारतीय दूतावास, सोफिया की वेबसाइट :
http://www.indembsofia.org
भारतीय दूतावास, सोफिया का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/indianembassy.sofia

*****

जनवरी**, 2016**